>

Title : Need to ensure proper monitoring of financial package released for distressed farmers of Vidarbha region in Maharasthra.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): महोदया, मैं सरकार का ध्यान महाराÂट्र के विदर्भ क्षेत्र में कृÂि◌ा संकट के कारण किसानों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की तरफ दिलाना चाहता हूं। पिछले सितम्बर महीने में 7 किसानों ने आत्महत्याएं कीं। इसके साथ राज्य में आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या 668 हो गई है। राज्य में पिछले पांच वÂ◌ा◌ें में आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या 7000 से अधिक हो गई है। यह स्थिति तब है जब विदर्भ के 6 जिलों के लिए 3,750 करोड़ रूपयों के पैकेजों की घोÂ◌ाणा की गई है। इन घोÂ◌ाणाओं के बावजूद यवतमाल में 1596, अमरावती में 1121, अकोला में 1016, वाशिम में 816, बुंलढ़ाना में 1077 और वर्धा में 495 किसानों ने आत्महत्याएं की हैं। आत्महत्या करने वाले किसानों में अधिकतर बीटी कपास की फसल लेते हैं। लेकिन यह काफी महंगी होने तथा कपास के बाजार में उचित दाम नहीं मिलने के कारण किसानों पर अत्यधिक कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है जिसके कारण वे आत्महत्याएं कर रहे हैं।

ऐसी स्थिति में मैं सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि जो पैकेज सरकार किसानों के लिए आवंटित करती है वे किसानों तक पहुंचते हैं या नहीं, इसको सुनिश्चित किया जाना चाहिए और इस बात की जांच की जानी चाहिए कि सरकार द्वारा पैकेज देने के बाद भी किसान लगातार क्यों आत्महत्याएं कर रहे हैं।

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet tomorrow, Tuesday, the 24th November, 2009 at 11 a.m.

14.02 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Tuesday, November 24, 2009/Agrahayana 3, 1931 (Saka).